Eureka
Get Inspired. Get Educated

STD : IXth **MARKS : 100**

SUB : HINDI **IIND SEMESTER MODEL QUESTION PAPER** **TIME – 3 HOURS.**

प्र.१ (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०८)**

(१) कृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

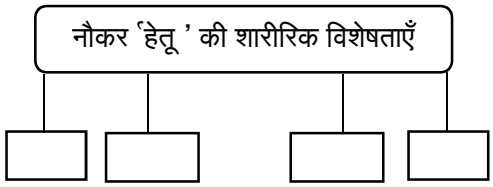

जब तीन दिन की अनथक खोज के बाद बाबू रामगोपाल एक नौकर ढूँढ़कर लाए तो उनकी क्रुध्द श्रीमती और भी बिगड़ उठीं। पलंग पर बैठे - बैठे उन्होंने नौकर को सिर से पाँव तक देखा और देखते ही मुँह फेर दिया।

"यह बनमानस कहाँ से पकड़ लाए हो ? इससे मैं काम लूँगी या इसे लोगों से छिपाती फिरुँगी ? " इसका उत्तर बाबू रामगोपाल ने दिया।

"जानती हो, तलब क्या होगी ? केवल बारह रुपए । ...सस्ता नौकर तुम्हें आजकल कहाँ मिलेगा ?"

'तो काम भी वैसा ही करता होगा,' श्रीमती बोलीं।

'यह मैं क्या जानूँ ? नया आदमी है, अभी अपने गाँव से आया है।'

श्रीमती जी की भौंवे चढ़ गईं, "तो इसे काम करना भी मैं सिखाऊँगी ? अब मुझपर इतनी दया करो, जो किसी दूसरे नौकर की खोज में रहो। जब मिल जाए तो मैं इसे निकाल दूँगी ।"

बाबू रामगोपाल तो यह सुनकर अपने कमरे में चले गए और श्रीमती दहलीज पर खड़े नौकर का कुशल - क्षेम पूछने लगीं। नौकर का नाम हेतू था और शिमला के नजदीक एक गाँव से आया था। चपटी नाक, छोटा माथा, बेतरह से दाँत, मोटे हाथ और छोटा - सा कद, श्रीमती ने गलत नहीं कहा था। नाम - पता पूछ चुकने के बाद श्रीमती अपने दाएँ हाथ की उँगली पिस्तौल की तरह हेतू की छाती पर दागकर बोलीं, "अब दोनों कान खोलकर सुन को। जो यहाँ चोरी - चकारी की तो सीधा हवालात में भिजवा दूँगी। जो यहाँ काम करना है तो पाई - पाई का हिसाब ठीक देना होगा ।"

(२) (१) निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए । **(१)**

अ) नौकर हेतू के आने पर श्रीमती जी हर्षित हो गई।

ब) नौकर शिमला के नजदीक किसी गाँव में रहता था।

(२) निम्नलिखित शब्द पढ़कर ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों। **(१)**

अ) हवालात **ब)** पलंग

(३) (१) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द तैयार कीजिए । **(१)**

अ) कुशल **ब)** नजदीक

(२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । **(१)**

अ) नौकर × ..... **ब)** गाँव × .....

(४) स्वमत : **(२)**

(१) क्या घर पर आए गए नौकरों को धमकाना अच्छी बात होती है? स्वमत लिखिए ।

प्र.१ (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०८)**

(१) निम्नलिखित वाक्य गद्यांश के क्रम के अनुसार लिखिए । **(२)**

अ) घर में कैनवस, रंग, ब्रश और ईजल सब सामान आ गया था।

ब) अनिल पिता के गले लग गया।

क) अमरनाथ के लिए एक स्वचालित व्हीलचेयर आ गई थी।

ड) डॉक्टर ने चैन की साँस ली।

'टाँग ही काटनी है तो काट दो। साठ साल तक इन टाँगों के साथ जिया हूँ। खूब घुमक्कड़ी की है मैंने। देश में, विदेशो में, पहाड़ों पर, समुद्र के किनारे रेगिस्तान में, पठारों में, सभी जगह घूमता रहा हूँ। जीने के लिए सिर्फ टाँगें थोड़ी ही हैं मेरे हाथ हैं देखो !' उन्होंने दोनों हाथ उपर उठाए थे।'मेरा बाकी शरीर है।'

वे खुलकर हँसे थे। डॉक्टर ने चैन की साँस ली थी।

अनिल बढ़कर पिता के गले लग गया था।

'बाबू जी - ऽ बाबू जी - ऽ'

'अरे ! इसमें ऐसा क्या है ? मेरा जीवन मेरी इस तीन फीट की टाँग से तो बड़ा ही होगा न । फिर क्या है ?'

अमरनाथ की टाँग कटा गई थी। वे घर गए थे। एक स्वचालित व्हीलचेयर उनके लिए आ गई थी। जिस पर बैठकर वे घर भर में घूमते थे। अमरनाथ के कहने पर घर में कैनवस, रंग, ब्रश और ईजल, सब सामान आ गया था । उन्होंने ईजल पर कैनवास लगाया था। वे हँसते हुए कहते,'देखो, वर्षों तक मैं चित्रकार बनने और चित्र बनाने की सोचता रहा, पर मुझे फुरसत ही नहीं मिली। मैंने विश्वभर में कलादीर्घाओं में विश्व के बड़े - बड़े चित्रकारों के चित्र देखे है और सराहे हैं। पर जब भी मैं उन्हें देखता तो उन चित्रों में मैं अपने रंगों के लगाए जाने की कल्पना करता था। फिर सारा परिदृश्य ही बदल जाता था।

इन मानव आकृतियों के चित्रों में मूर्तिशिल्प का समन्वय था। स्त्री रंगों के बिना जहाँ उन्होंने रेखाओं से आकृतियाँ बनाई थीं, वहाँ उनमें मांस, मज्जा और अस्थियाँ तक को देखा जा सकता था। रेखाओंवाले चित्रों में एक प्रवाह, ऊर्जा, उमंग और चुस्ती - फुर्ती थी। लगता था, ये आकृतियाँ अभी संवाद करेंगी, हाथ पकड़कर साथ हो लेंगी। इतनी जीवंतता। रंग - रेखाओं से उनका प्यार उनकी हर साँस से निःसृत होता, जो उनके चित्रों को सजीव कर देता। लगता था, वे हर दृश्य, परिदृश्य, स्थिति और व्यक्ति को रंगों और रेखा में ढाल देंगे।

(२) कृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

ये सब था अमरनाथ के रेखाओं वाले चित्रों में

(३) (१) गद्यांश में से दो शब्द युग्म ढूँढकर लिखिए । **(१)**

(२) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए । **(१)**

(अ) विश्व (ब) वृक्ष

(४) स्वमत : **(२)**

आपके अनुसार भ्रष्टाचार बढ़ने के मुख्य कारण लिखो।

प्र.१ (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०८)**

(१) (१) कृति पूर्ण कीजिए । **(१)**

अ) पद्य - बद्ध आख्यायिका के सम्राट → ☐

ब) संसार की निस्सारता का राग गानेवाले कवि → ☐

(२) समझकर लिखिए । **(१)**

अ) इनकी प्रतिभा बहुमुखी थी → ☐

ब) इन्होंने डाली शुध्द हिंदी की नींव → ☐

हिंदी भाषा के कवियों में बाबू हरिश्चंद्र का स्थान बहुत ऊँचा समझा जाता है। यह ठीक है कि उन्हें तुलसी, सूर, बिहारी या केशव की सी लोकप्रियता नहीं प्राप्त हुई मगर इसका कारण यह नहीं कि वे योग्यता में इन कवियों से घटकर थे। तुलसीदास पद्य - बध्द आख्यायिका के सम्राट थे। सूर ने अध्यात्म और बिहारी ने सौंदर्य और प्रेम को कमाल की ऊँचाइयों पर पहुँचाया। कबीर ने संसार की निस्सारता का राग गाया। हरिश्चंद्र ने हर रंग की कविता की। वह काव्य - प्रतिमा जो किसी एक रंग को बहुत ऊँचाई तक पहुँचा सकती थी, बिखर गई। इसलिए ये कवि ऊँचाई और गंभीरता में उद्यपि हरिश्चंद्र से बड़े हुए हैं मगर काव्य - विस्तार की दृष्टि से हरिश्चंद्र का स्थान बहुत ऊँचा है। उनकी प्रतिभा बहुमुखी थी और उनको गद्य और पद्य दोनों पर समान अधिकार था । गद्य में तो उन्हें मार्गदर्शक का स्थान प्राप्त है। उनके पहले राजा लक्ष्मण सिंह और राजा शिवप्रसाद की हिंदी में उर्दू शब्द बड़ी संख्या में रहते थे। शुध्द हिंदी की नींव भारतेंदु की कलम ने डाली और उस जमाने से अब तक हिंदी गद्य ने बहुत कुछ तरक्की हासिल कर ली है मगर आज भी हरिश्चंद्र के हिंदी गद्य की प्रौढ़ता, चुलबुलापन और शुध्दता प्रशंसनीय है। उनकी सबसे अधिक स्मरणीय और स्थायी साहित्यिक पूँजी उनके नाटक हैं। इस मैदान में कोई उनका प्रतियोगी नहीं। हिंदी नाट्यकला के वे प्रवर्तक हैं।

(२) (१) कृति पूर्ण कीजिए । **(१)**

(अ)

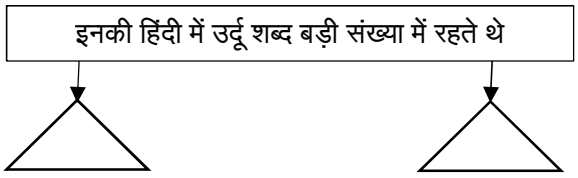

(ब) **(१)**

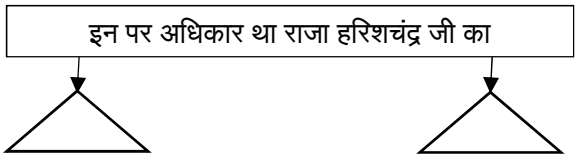

(२) समानार्थी शब्द : **(१)**

१) कलम - २) राजा -

(३) परिच्छेद में से कोई भी दो प्रत्ययय़ुक्त शब्द पहचानकर लिखिए । **(१)**

(३) स्वमत : **(२)**

' आपके मतानुसार हिंदी भाषा को प्रतिष्ठित करने में लोगों का योगदान ' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

प्र.२ (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०६)**

(१) आकृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

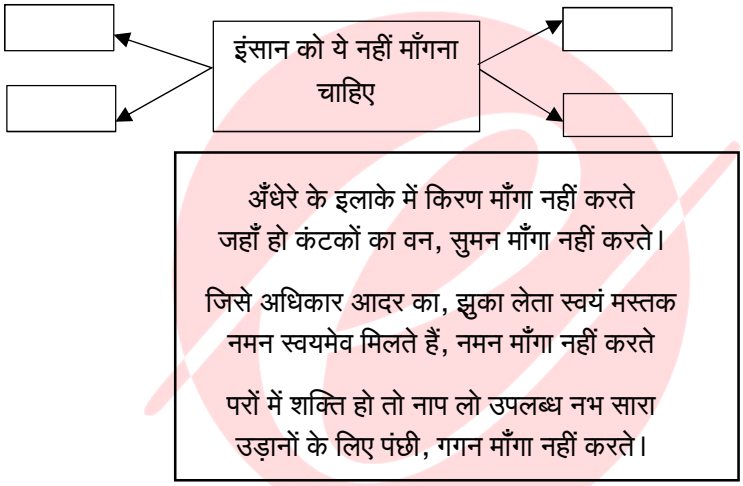

(२) संजाल पूर्ण कीजिए । **(२)**

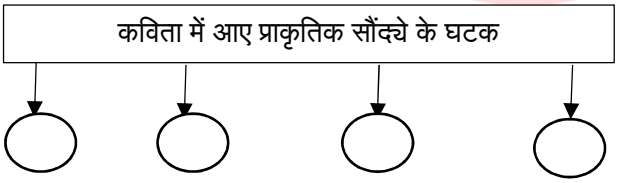

(३) सरल भावार्थ लिखो : **(२)**

अँधेरे के इलाके में ..... माँगा नहीं करते।

प्र.२ (छ) निम्नलिखित २ पठित कविताओं में से किसी एक कविता का पद्य विश्लेषण नीचे दिए हुए बिंदुओं के आधार पर कीजिए: **(०६)**

(१) कह कविराय (२) स्वतंत्रता गान

विश्लेषण हेतु बिंदु -

१) कविता का नाम - **(१)**

२) कविता की विधा - **(१)**

३) पसंदीदा पंक्ति – **(१)**

४) पसंदीदा होने का कारण - **(१)**

५) कविता से प्राप्त संदेश या प्रेरणा - **(२)**

प्र.२ (ज) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०६)**

(१) कृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

१) मनुष्य के जीवन का उद्देश्य → 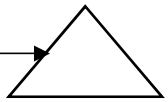

२) यह व्यक्ति पूर्ण जीवन जी सकता है → 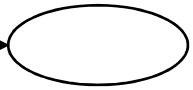

उद्देश्य जीवन का नहीं कीर्ति या धन है,
सुख नहीं, धर्म भी नहीं, न तो दर्शन है।
विज्ञान, ज्ञान, बल नहीं, न तो चिंतन है,
जीवन का अंतिम ध्येय स्वयं जीवन है।।
सबसे स्वतंत्र यह रस जो अनघ पीएगा,
पूरा जीवन केवल वह वीर जीएगा।

(२) 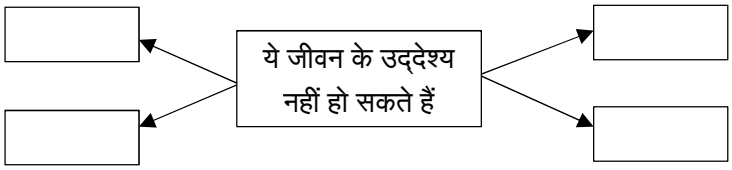

(२)

(३) सरल भावार्थ लिखो । **(२)**

(१) प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

प्र.३ (ट) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०४)**

(१) कृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

अ) 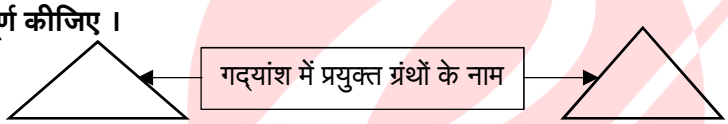

ब) 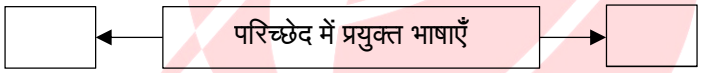

पिता जी मौन रहकर गीता पढ़ते थे, शायद चिंतन करने की दृष्टी से; मानस में वे बहा करते थे। संस्कृत का उन्हें साधारण ज्ञान था। मानस में आए संस्कृत अंशों को वे शुध्दता और सुस्पष्टता से पढ़ते थे पर संस्कृत से वह उच्चारण सुख अनुभव न करते थे जो अवधी से। कविता सस्वर पढ़ने का मुझे भी शौक है। ब्रज और अवधी की कविता मैं घटों पढ़ सकता हूँ। मानस का तो सस्वर अखंड पाठ मैंने कई बार किया है, पर मानस की बात ही और है - खड़ी बोली की कविता मैं घंटेभर भी पढ़ूँ तो मेरी जीभ ऐंठने लगती है, उर्दू के साथ यह बात नहीं हैं। खड़ी बोली कविता ने, कहते हुए खेद होता है, मानस की सूक्ष्म शिराओं को अभी कम ही छुआ है। वह जीवन से उठी हुई कम लगती है, कोष से उतरी हुई अधिक । कारणों पर यहाँ न जाऊँगा।

(२) स्वमत : **(२)**

अपना व्यक्तित्व समृध्द करने के लिए अलग अलग भाषाओं का ज्ञान उपयुक्त होता है । इस पर अपने विचार लिखिए ।

प्र.३ (ठ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०४)**

(१) समझकर लिखिए । **(२)**

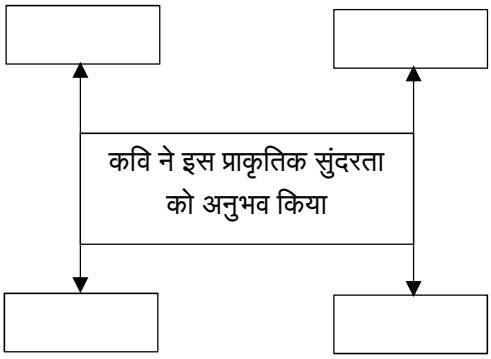

कितनी सुंदरता बिखरी	अहरह वन - भू मर्मर !
प्राकृतिक जगत में, ईश्वर,	फूलों की ज्वालाएँ
टपक रही गिरि - शिखरों से झर,	आँखें करतीं शीतल,
लोट रही घाटी में	मुकुल अधर मधु पीते
लिपटी धूप छाँह में निःस्वर !	गुंजन भर मधुकर दल !
अनिल स्पर्श से पुलकित तृण दल,	तितली उडती,
बहती सीमाहीन	दूर, कहीं पल्व छाया में
श्लक्ष्ण संगीत स्त्रोत -सी	रुक - रुक गाती वन प्रिय कोयल !

(२) स्वमत : **(२)**

'आपका देखा हुआ एक प्राकृतिक रम्य स्थल ।' अपने विचार लिखिए ।

प्र.४ भाषा अध्ययन : **(१६)**

(१) निम्नलिखित रेखांकित शब्दों के भेद पहचानिए । **(२)**

१) इनसान ने विज्ञान में प्रगति की है।

२) मीना ने चित्र निकाला।

(२) (क) निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानिए । **(१)**

१) वाह ! क्या बात है।

(ख) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए । **(१)**

१) ओर

(३) काल परिवर्तन कीजिए । **(२)**

१) वाह गीत गा रही थी । (सामान्य भूतकाल)

२) राधा समाचार पत्र पढ़ रही थी। (पूर्ण भूतकाल)

(४) (क) निम्नलिखित शब्द में प्रयुक्त संधि पहचानिए । **(१)**

१) मनस्ताप

(ख) निम्नलिखित शब्द का संधि - विच्छेद कीजिए । **(१)**

१) सन्मार्ग

(५) (क) निम्नलिखित वाक्य भेद रचना के अनुसार पहचानिए । **(१)**

१) वह कहानी सुना रहा था ।

(ख) निम्नलिखित वाक्य भेद अर्थ के अनुसार पहचानिए । **(१)**

१) तुम नौकरी नहीं कर सके।

(६) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए । **(२)**

१) नौ दो ग्यारह होना । २) होश उड़ जाना ।

(७) वाक्य शुध्द करके लिखिए । **(१)**

१) उसकी पत्नी के मृत्यु हो गया। २) उसने हमको बुलाए है।

(८) निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए । **(१)**

१) उसकी खूब खातिर होने लगी। २) लोहे के ढोल बनवाए गए ।

(९) निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियाओं के रुप लिखिए । **(१)**

१) पीना २) डरना

(१०) निम्नलिखित वाक्य में से कारक पहचानिए । **(१)**

यह उसकी किताब है ।

प्र.५ (१) पत्र - लेखन : **(०५)**

निम्नलिखित में से किसी एक पत्र प्रारुप तैयार कीजिए।

(१)

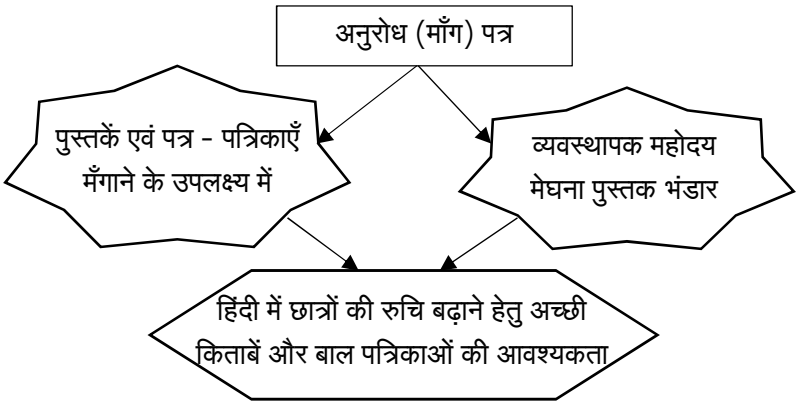

अथवा

(२) करण / किरण वर्मा, कलाकुंज गाडगे नगर, नासिक से स्वास्थ्य अधिकारी महानगरपालिका, नासिक को पीने का पानी अशुध्द होने की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए / करती हुई पत्र लिखता / लिखती है।

(२) निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए कि जिनके उत्तर एक वाक्य में हो। **(०५)**

भरत के चरित्र को तुलसीदास बाहर से नहीं, भीतर से सँवारते हैं, उसे बड़ी सहजता और स्वाभाविकता से उभारते हैं। जैसे राम का नामस्मरण सुखदायी है, उसी तरह भरत का नाम पवित्र बनानेवाला है। इसका कारण साफ है, भरत राम को प्राणों से भी प्रिय है और उसकी महानता का कहना ही क्या ? भरत में दोनों गुण घुले - मिले हैं। राम तो उन्हें प्रेम करते ही हैं। जो राम को प्रिय हो या जिसे राम प्रिय हो, उस पर कोई आक्षेप लगाना या उसके बारे में कुछ अनुचित बोलना राम का अपमान होगा। इससे सत्कर्म तो नष्ट होंगे ही, पाप भी बढ़ेगा। धर्म का मूलाधार यह है कि जब भक्त प्रभुमय हो जाता है तब उसके संपूर्ण चरित्र में प्रभुता प्रकाशित हो उठती है।

(३) कहानी लिखो : (शीर्षक व सीख लिखो) **(०६)**

एक लड़का - शहर के महाविद्यालय में पढ़ना - छुट्टियों में गाँव आना - प्रतिवर्ष सूखे की समस्या - मन में निश्चय - एक मित्र का साथ - कुआँ खोदना प्रारंभ - लोगों का हँसना - कुआँ तैयार होना - लोगों का जुड़ना - कुआँ पानी से भरना - लोगों का खुश होना - शीर्षक, सीख ।

प्र.६ १) निम्नलिखित प्रसंग पढ़कर उसका अपने शब्दों में वर्णन कीजिए । (शब्द मर्यादा ६० से ८० शब्द) **(०५)**

जब पिता जी ने राज को बताया कि घर लौटते समय उनका आज एक ऐसे व्यक्ति से झगड़ा हो गया जो शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था, तो राज बेहद चिंतित हो गया। वह सोचने लगा कि ... परिच्छेद का आरंभ होगा - "आखिर लोग शराब के नशे में गाडी चलाते ही क्यों हैं ?" -

अथवा

अपनी पाठशाला में मनाए गए 'हिंदी दिवस ' समारोह का वृत्तांत रोचक भाषा में लिखिए । (लगभग ६० से ८० शब्दों में लिखिए ।)

२) दिवाली के उपलक्ष्य पर मोबाईल कंपनी की तरफ से ऑफर के संदर्भ में विज्ञापन तैयार कीजिए । **(०५)**

३) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (शब्द मर्यादा ८० से १०० शब्द) **(०८)**

१) संगणक का महत्व २) किसान की आत्मकथा

* * * * * * * *

STD : IXth **MARKS : 100**

SUB : HINDI **IIND SEMESTER MODEL PAPER SOLUTION** **TIME – 3 HOURS**

प्र.१ (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०८)**

(१) कृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

(१) छोटा माथा (२) चपटी नाक

(३) मोटे हाथ व छोटा - सा कद (४) बेतरह से दाँत

(२) (१) निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए । **(१)**

अ) असत्य **ब)** सत्य

(२) निम्नलिखित शब्द पढ़कर ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों। **(१)**

अ) हवालात **- यदि नौकर चोरी करेगा तो उसे कहाँ भेज दिया जाएगा?**

ब) पलंग **- जब रामगोपाल नौकर को लेकर घर आए थे तब उनकी पत्नी कहाँ बैठी थी?**

(३) (१) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द तैयार कीजिए । **(१)**

अ) कुशल **- कुशल + ता = कुशलता** **ब)** नजदीक **- नजदीक + ई = नजदीकी**

(२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । **(१)**

अ) नौकर × **मालिक** **ब)** गाँव × **शहर**

(४) स्वमत : **(२)**

(१) घर पर आए गए नौकरों को धमकाना बुरी बात होती है। नौकर नया हो या पुराना आखिर वह भी इंसान ही होता है। उसकी अपनी कोई - न - कोई मजबूरी होती है। इसलिए वह अपने घर पर नौकरी करने के लिए आता है। उसके घर पर आते ही उस पर रोब जताना या उसे डराना धमकाना अच्छा नहीं है। यदि हम उनके साथ आत्मीयता से व्यवहार करेंगे तो वे भी हमें अपना मानने लगेंगे। उन्हें हमारे परिवार के प्रति प्रेम हो जाएगा। फिर वे कभी हमारे साथ बुरा सलूक नहीं कर सकते हैं। यदि हम उन्हें नौकरी पर रखते ही डराएँगे तो वे मन से क्रुध्द हो जाएँगे और जरुर एक दिन मौका मिलते ही सब कुछ लुटकर नौ दो ग्यारह हो जाएँगे।

प्र.१ (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०८)**

(१) निम्नलिखित वाक्य गद्यांश के क्रम के अनुसार लिखिए । **(२)**

अ) डॉक्टर ने चैन की साँस ली।

ब) अनिल पिता के गले लग गया।

क) अमरनाथ के लिए एक स्वचालित व्हीलचेयर आ गई थी।

ड) घर में कैनवस, रंग, ब्रश और ईजल सब सामान आ गया था।

(२) कृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

(१) प्रवाह (२) ऊर्जा (३) उमंग (४) चुस्ती - फुर्ती

(३) (१) गद्यांश में से दो शब्द युग्म ढूँढकर लिखिए । **(१)**

(१) **चुस्ती - फुर्ती** (२) **रंग - रेखा**

(२) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए । **(१)**

(अ) विश्व **- संसार** (ब) वृक्ष **- पेड़**

(४) हम कई बार अपना कार्य जल्दी एवं बढ़िया तरीके से करवाने के इरादे से पद पर आसीन अफसरों को कुछ अतिरिक्त पैसे देते हैं, जिससे भ्रष्टाचार पनपता है। इसके अलावा दूसरा मुख्य कारण है कि अगर हम किसी पद पर आसीन हैं तो इस अतिरिक्त पैसे की प्राप्ति को हम अपना हक समझते हैं। ऐसे में नि:संदेह भ्रष्टाचार पनपेगा। यदि हम रिश्वत लेने व देने दोनों का खुलेआम विरोध करते हैं तो भ्रष्टाचार की नकेल कसी जा सकती है। **(२)**

प्र.१ (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०८)**

(१) (१) कृति पूर्ण कीजिए । **(१)**

अ) पद्य - बद्ध आख्यायिका के सम्राट → **तुलसीदास**

ब) संसार की निस्सारता का राग गानेवाले कवि → **कबीर**

(२) समझकर लिखिए । **(१)**

अ) इनकी प्रतिभा बहुमुखी थी → **कवि हरिश्चंद्र**

ब) इन्होंने डाली शुध्द हिंदी की नींव → **भारतेंदु**

(२) (१) कृति पूर्ण कीजिए । **(१)**

अ) (१) राजा लक्ष्मण (२) राजा शिवप्रसाद

ब) (१) गद्य (२) पद्य **(१)**

(२) समानार्थी शब्द : **(२)**

१) कलम - **लेखनी** २) राजा - **भूपति, सम्राट**

(३) परिच्छेद में से कोई भी दो प्रत्ययुक्त शब्द पहचानकर लिखिए । **(१)**

लोकप्रियता, ऊँचाई, गंभीरता, प्रौढ़ता, शुध्दता, साहित्यिक

(३) (१) आज हम हिंदी भाषा को जिस ऊँचाई पर देखते हैं उसे वहाँ प्रतिष्ठित करने में कई हिंदीप्रेमियों ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

(२) कितने ही लेखकों ने अपनी रचनाओं से हिंदी भाषा को समृध्द किया।

(३) हिंदी को जन - जन तक पहुँचाने में, हिंदी माध्यम के विद्यालयों का पाठ्यक्रम निश्चित करने में गंगा बाबू जैसे लोगों का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। **(२)**

प्र.२ (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०६)**

(१) आकृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

(१) सुमन (२) गगन (३) नमन (४) सूर्य की किरण

(२) **(२)**

कविता में आए प्राकृतिक सौंदर्य के घटक

- **किरण**
- **सुमन**
- **गगन**
- **पंछी**

(३) सरल भावार्थ लिखो : **(२)**

भावार्थ : प्रस्तुत गजल में कवि कहते है, "इंसान के पास स्वाभिमान का होना बेहद जरुरी होता है। उसे अँधेरे के इलाके में किरण नहीं माँगनी चाहिए। यानी जब संकट की स्थिति निर्माण हो जाती है; तब इंसान को स्वयं ही उसके साथ संघर्ष करना चाहिए।

किसी से मदद नहीं माँगनी चाहिए। जहाँ पर कंटकों का यानी काँटों का वन होता है; वहाँ पर काँटों के अलावा कुछ नहीं होता है। वहाँ पर सुमन नहीं हो सकते हैं। अर्थात संकट की परिस्थितियों में सर्वत्र काँटे - ही - काँटे होते हैं। वहाँ पर दुख - दर्द व पीड़ा ही होती है । वहाँ पर हम सुख की अपेक्षा नहीं कर सकते।"

"जो व्यक्ति सचमुच आदर का अधिकारी है उसके सामने दूसरे लोगों के मस्तक अपने आप झुक जाते हैं । ऐसे व्यक्ति को किसी से नमन या आदर माँगने की जरुरत नहीं होती बल्कि उसे तो अपने आप आदर मिल जाता है। व्यक्ति के पास विनम्रता होनी चाहिए।"

प्र.२ (छ) निम्नलिखित २ पठित कविताओं में से किसी एक कविता का पद्य विश्लेषण नीचे दिए हुए बिंदुओं के आधार पर कीजिए: **(०६)**

(१) कह कविराय

१) **कविता का नाम -** कह कविराय **(१)**

२) **कविता की विधा -** कुंडली **(१)**

३) **पसंदीदा पंक्ति –** बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताय ।
काम बिगारै आपनो, जग में होत हँसाय ।। **(१)**

४) **पसंदीदा होने का कारण -** उपर्युक्त पंक्तियों में समय की महत्ता का प्रतिपादन किया गया है। यह भी बताया गया है कि व्यक्ति को प्रत्येक काम सोच - विचारकर ही करना चाहिए। अत: यह मेरी पसंदीदा काव्य पंक्ति है। **(१)**

५) **कविता से प्राप्त संदेश या प्रेरणा -** प्रस्तुत कविता से प्रेरणा यह मिलती हैं कि व्यक्ति को सामाजिक गुणों को अपनाना चाहिए। हमें दूसरों से सच्ची मित्रता करनी चाहिए। यदि किसी ने हम पर उपकार किए हैं तो हमें उसके प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए। कोई भी कार्य विचारपूर्वक करना चाहिए। व्यक्ति को अपनी संपत्ति का दान करना चाहिए। **(२)**

(२) स्वतंत्रता गान

१) **कविता का नाम -** स्वतंत्रता गान **(१)**

२) **कविता की विधा -** प्रेरणा गीत **(१)**

३) **पसंदीदा पंक्ति –** कब्र पर, मजार पर, यह दीया बुझे नहीं,
यह किसी शहीद का पुण्य प्राण दान है। **(१)**

४) **पसंदीदा होने का कारण -** उपर्युक्त पंक्ति मुझे बेहद पसंद है क्योंकि उसमें शहीदों की कब्र या मजार पर स्वतंत्रता के दीपक को ना बुझने देने की बात कही गई है। **(१)**

५) **कविता से प्राप्त संदेश या प्रेरणा -** प्रस्तुत कविता से प्रेरणा मिलती हैं कि भारतीयों को स्वतंत्रता के दीपक को सदैव प्रज्वलित रखना चाहिए। स्वतंत्रता के दीपक से व्यक्ति को सीख लेनी चाहिए कि उसे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी देश की रक्षा करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। व्यक्ति के पास देशभक्ति की भावना होनी चाहिए। त्याग व बलिदान आदि गुणों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। **(२)**

प्र.२ (ज) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०६)**

(१) कृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

(१) मनुष्य के जीवन का उद्देश्य → **किर्ति नहीं या धन है।**

(२) यह व्यक्ति पूर्ण जीवन जी सकता है → **सबसे स्वतंत्र यह रस जो अनघ पीएगा ।**

(२) (१) सुख (२) धर्म (३) बल (४) विज्ञान **(२)**

(३) सरल भावार्थ लिखो । **(२)**

(१) भावार्थ : प्रस्तुत गजल में कवि कहते हैं, "इंसान के पास स्वाभिमान का होना बेहद जरुरी होता है। उसे अँधेरे के इलाके में किरण नहीं माँगनी चाहिए। यानी जब संकट की स्थिति निर्माण हो जाती है; तब इंसान को स्वयं ही उसके साथ संघर्ष करना चाहिए। किसी से मदद नहीं माँगनी चाहिए। जहाँ पर कंटकों का यानी काँटों का वन होता है; वहाँ पर काँटों के अलावा कुछ नहीं होता है। वहाँ पर सुमन नहीं हो सकते हैं। अर्थात संकट की परिस्थितियों में सर्वत्र काँटे - ही - काँटे होते हैं। वहाँ पर दुख - दर्द व पीड़ा ही होती है। वहाँ पर हम सुख की अपेक्षा नहीं कर सकते।"

"जो व्यक्त सचमुच आदर का अधिकारी है उसके सामने दूसरे लोगों के मस्तक अपने आप झुक जाते हैं। ऐसे व्यक्ति को किसी से नमन या आदर माँगने की जरुरत नहीं होती बल्कि उसे तो अपने आप आदर मिल जाता है। व्यक्ति के पास विनम्रता होनी चाहिए।"

प्र.३ (ट) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०४)**

(१) कृति पूर्ण कीजिए । **(२)**

अ) गद्यांश में प्रयुक्त ग्रंथों के नाम - (१) गीता (२) रामचरितमानस

ब) परिच्छेद में प्रयुक्त भाषाएँ - संस्कृत व उर्दू

(२) स्वमत : **(२)**

भाषा विचारों के आदान - प्रदान का साधन है। भाषा से ही व्यक्ति का विकास होता है। बिना भाषिक ज्ञान से व्यक्ति जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता है। बहुभाषी होना तो सोने पे सुहागा जैसी ही बात है। अलग - अलग भाषाओं का ज्ञान होने से व्यक्ति के ज्ञान की कक्षाएँ फैल जाती हैं। वह एक भाषा के साथ दूसरी भाषा के भाव व विचार संकरित करता है। अन्य भाषाओं का ज्ञान होने से व्यक्ति को अन्य प्रांतों में भी सम्मान की भावना मिल जाती है। अलग - अलग भाषाओं का ज्ञान होने से व्यक्ति की विचार करने की क्षमता में भी वृध्दि होती है। ऐसा व्यक्ति भाषण या लेखन करते समय अन्य भाषाओं में प्रचलित संदर्भ या उदाहरणों को आसानी से प्रयोग कर सकता है। इसीलिए अपना व्यक्तित्व समृध्द करने के लिए अलग - अलग भाषाओं का ज्ञान उपयुक्त होता है।

प्र.३ (ठ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(०४)**

(१) समझकर लिखिए । **(२)**

(१) पहाड़ों की चोटियों पर फैली सूरज की धूप घाटी की ओर लोटना।

(२) पवन के स्पर्श से हरी घास पुलकित होना।

(३) भौरे का कलियों पर बैठकर अपने होंठो पर मधु पान करना ।

(४) चारों ओर लाल रंग के फूलों का खिलना ।

(२) स्वमत : **(२)**

प्राकृतिक स्थल पर घूमने जाने का मजा ही कुछ और है । मैंने कौसानी की यात्रा की थी। कौसानी उत्तराखंड में स्थित एक प्राकृतिक स्थल है। चारों ओर हरियाली व सघन वृक्षों को देककर मानव मन प्रफुल्लित हो जाता है। रंग - बिरंगे फूल और आस - पास मँडराने वाले भौरे देखकर बहुत प्रसन्नता होती है। कोहरा हट जाने पर कौसानी से हिमालय के दर्शन होते हैं। श्वेत बर्फ की राशी देखकर मानव मन बाग - बाग हो जाता है। सचमुच धरती पर अगर कहीं स्वर्ग है तो बस वह कौसानी में ही है।

प्र.४ भाषा अध्ययन : **(१६)**

(१) निम्नलिखित रेखांकित शब्दों के भेद पहचानिए । **(२)**

१) इनसान - संज्ञा

२) निकाला - सकर्मक क्रिया

(२) (क) निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानिए । **(१)**

१) वाह ! **- विस्मयादिबोधक अव्यय**

(ख) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए । **(१)**

१) **ओर -** सारे पक्षी एक ओर उड़ रहे थे।

(३) काल परिवर्तन कीजिए । **(२)**

१) वह गीत गाई।

२) राधा समाचार पत्र पढ़ी थी।

(४) (क) निम्नलिखित शब्द में प्रयुक्त संधि पहचानिए । **(१)**

१) मनस्ताप **= विसर्ग संधि**

(ख) निम्नलिखित शब्द का संधि - विच्छेद कीजिए । **(१)**

१) सन्मार्ग **= स : + मार्ग**

(५) (क) निम्नलिखित वाक्य भेद रचना के अनुसार पहचानिए । **(१)**

१) वह कहानी सुना रहा था **- साधारण वाक्य**

(ख) निम्नलिखित वाक्य भेद अर्थ के अनुसार पहचानिए । **(१)**

१) तुम नौकरी नहीं कर सके **- निषेधवाचक**

(६) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए । **(२)**

१) नौ दो ग्यारह होना **- भाग जाना ।**

वाक्य : पुलिस को आते देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गए ।

२) होश उड़ जाना **- घबरा जाना।**

वाक्य : साँप को सामने देखकर मेरे तो होश उड़ गए।

(७) वाक्य शुध्द करके लिखिए । **(१)**

१) उसकी पत्नी की मृत्यु हो गयी।

२) उसने हमको बुलाया हैं।

(८) निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए । **(१)**

१) लगी (लगना) - सहायक क्रिया। २) गए (जाना) - सहायक क्रिया।

(९) निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियाओं के रुप लिखिए । **(१)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
पीना	पिलाना	पिलवाना
डरना	डराना	डरवाना

(१०) निम्नलिखित वाक्य में से कारक पहचानिए । **(१)**

यह उसकी किताब है - **संबंधकारक**

प्र.५ पत्र - लेखन : **(०५)**

(१)

अथर्व देशमुख
सेंट मेरी विद्यालय,
बदलापुर, (पूर्व),
जिला ठाणे ।
दिनांक - ३० जनवरी, २०१८

सेवा में,
व्यवस्थापक महोदय,
मेघना पुस्तक भंडार,
राम नगर,
ठाणे - ४००११०

विषय : पुस्तकों की माँग ।

महोदय

मैं कुमार अथर्व देश मुख सेंट मेरी विद्यामंदिर का छात्र हूँ। हमारा विद्यामंदिर प्रतिवर्ष आपसे पुस्तकें मँगवाता रहा है। इस वर्ष भी हमें हिंदी साहित्य की नई पुस्तकें एवं पत्र - पत्रिकाओं की आवश्यकता हैं। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा हैं, किंतु हमारी रुचि हिंदी में कम होती जा रही है। अत: आपसे सविनय अनुरोध है कि हिंदी में छात्रों की रुचि जागृत करने के लिए कुछ अच्छी किताबें और कुछ साप्ताहिक एवं मासिक पत्र - पत्रिकाएँ भेजने की व्यवस्था करें। हम अपनी ओर से कुछ पत्र - पत्रिकाओं के नाम भेज रहे हैं, वे इस प्रकार है।

	पत्र - पत्रिकाओं के नाम	**प्रतियाँ**
१)	चंदामामा	१०
२)	चकमक	०५
३)	बाल संसार	०५
४)	परी का महल	०४

उपर्युक्त पत्र - पत्रिकाओं के अलावा आप के पास अन्य नई किताबों की या पत्र - पत्रिकाओं की सूची होंगी, तो वह हमें जरुर भेज देना । आशा करता हूँ कि आप उपर्युक्त पुस्तकें जल्द - से - जल्द भेजने की व्यवस्था करेंगे।

धन्यवाद !

भवदीय,
अथर्व देशमुख

टिकट

प्रेषक,
अथर्व देशमुख
सेंट मेरी विद्यालय,
बदलापुर (पूर्व)
जिला - ठाणे

सेवा में,
व्यवस्थापक महोदय,
मेघना पुस्तक भंडार
राम नगर,
ठाणे - ४००११०

अथवा

(२) करण / किरण वर्मा, कलाकुंज गाडगे नगर, नासिक से स्वास्थ्य अधिकारी महानगरपालिका, नासिक को पीने का पानी अशुध्द होने की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए / करती हुई पत्र लिखता / लिखती है।

करण वर्मा,
कलाकुंज, गाडगे नगर,
नासिक।
दिनांक - ३० जनवरी, २०१८

सेवा में,
माननीय स्वास्थ्य अधिकारी,
महानगरपालिका,
नासिक ।

विषय : अशुध्द जल की पूर्ति के संबंध में शिकायती पत्र।

महोदय,

मैं नासिक नगरपालिका का नागरिक हूँ। पिछले कई दिनों से हमारे क्षेत्र में अशुध्द जल की पूर्ति की जा रही है। पानी में गंदे मिट्टी के कण होते हैं और मटमैला पानी आता है। जिसके परिणाम स्वरुप कई लोग बीमारियों के शिकार हो गए हैं। कई लोग पेट की बीमारी तथा कुछ बच्चे गॅस्ट्रो जैसी जानलेवा बीमारियों से परेशान है। कई मुहल्ले में तो एक विचित्र तरह का डायरिया भी फैला हुआ है। जब डॉक्टर ने पानी का परीक्षण करवाने की सलाह दी तो पाया गया कि अशुध्द जल के कारण लोग इन बीमारियों से परेशान हो रहे हैं।

प्रार्थना पत्र प्रेषित कर आशा करता हूँ, कि आप इस समस्या पर ध्यान देकर हम नागरिकों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए शीघ्र उचित कदम उठाएँगे। पानी की आपूर्ति करनेवाले लोगों को शीघ्र सूचित कर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

सहयोग की अपेक्षा के साथ।
धन्यवाद !

भवदीय,
करण वर्मा

टिकट

प्रति,
माननीय स्वास्थ्य अधिकारी,
महानगरपालिका,
नासिक ।

प्रेषक,
करण वर्मा,
कलाकुंज, गाडगे नगर,
नासिक ।

(२) निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए कि जिनके उत्तर एक वाक्य में हो। (०५)

१) भरत के चरित्र को तुलसीदास किस तरह सँवारते हैं ?

२) भरत के चरित्र को तुलसीदास किस तरह उभारते हैं ?

३) धर्म का मूलाधार क्या है ?

४) राम के लिए प्राणों से भी प्रिय कौन है ?

५) राम का अपमान कैसे होगा ?

(३) कहानी लिखो : (शीर्षक व सीख लिखो) (०६)

प्रयत्न सफलता की कुंजी

एक लड़का था। उसका नाम राजू था। वह बहुत ही होशियार मेहनती और समझदार था। पुणे शहर के एक महाविद्यालय में वह इंजीनियरिंग पढ़ रहा था। उसके माता - पिता गाँव में रह कर खेती - बाडी का धंधा करते थे। राजू हर वर्ष गर्मियों की छुट्टियों में गाँव आता था। उसे अपना गाँव बहुत प्रिय था। वह बचपन से देखता आ रहा था कि खेती करना परिश्रम का काम है और उनके गाँव में वर्षा बहुत कम होने के कारण खेती और दैनिक जरुरतों के लिए दूर - दूर से पानी लाना पडता था। गाँव वालों को इतनी मेहनत करते देख उसे बड़ा कष्ट होता था। वर्षा कम होने के कारण गाँव में सूखे की समस्या बड़ी विकट थी। इसके कारण परेशान होकर हर वर्ष कई किसान आत्महत्या भी कर लेते थे।

बडे होने पर राजू ने सोचा कि मुझे गाँव वालों की इस समस्या का कोई न कोई हल निकालना चाहिए। उसने निश्चय किया कि वह इसका समाधान गाँव में ही ढूँढेगा। अतः उसने वहाँ कुआँ खोदने का निश्चय किया। अपने इस निश्चय के बारे में जब उसने गाँव वालों को बताया तो उन्होंने उसका साथ देने से मना कर दिया। अंत में उसके एक बालमित्र, जिसका नाम किशन था, उसने उसका साथ देने का निश्चय किया। अब दोनों प्रतिदिन घोर सवेरे उठकर कुआँ खोदने लगते। दो ही व्यक्ति होने के कारण खोदने में समय लगने लगा। लोग आते, उन्हें देखते और उन पर हँसते। किंतु राजू और किशन पर इसका कोई प्रभाव न पड़ा। वे अपने काम में लगे रहे।

कड़ी मेहनत और महीने भर के परिश्रम के बाद कुआँ तैयार हो गया। यह देखकर लोग आश्चर्य चकित हो गए। धीरे - धीरे यह खबर सारे गाँव में फैल गई कि राजू और किशन की कड़ी मेहनत का फल कुएँ के रुप में गाँव वालों का जीवनदाता बनकर तैयार हो गया है। लोग एक - एक करके आने लगे और कुएँ को घेरकर खड़े हो गए। धीरे - धीरे कुएँ में पानी भरने लगा। और कुछ ही समय के बाद कुआँ पानी से भर गया। यह देखकर लोगों की खुशी का ठिकाना न रहा। उन्होंने राजू और किशन को कंधे पर उठा लिया और उनकी जय - जयकार करने लगे। गाँव वालों को वे दोनो भगवान स्वरुप लगने लगे।

सीख : प्रयत्न करने वालों की कभी हार नहीं होती। धन्यवाद !

प्र.६ अ)१) निम्नलिखित प्रसंग पढ़कर उसका अपने शब्दों में वर्णन कीजिए । (शब्द मर्यादा ६० से ८० शब्द) (०५)

उत्तर :

आखिर लोग शराब के नशे में गाड़ी चलाते ही क्यों हैं ? क्या उन्हें अपनी जान के साथ - साथ दूसरों की जान की जरा भी परवाह नहीं होती ? सरकार और यातायात विभाग ने इसकी रोकधाम के लिए कड़े कानून बना रखे हैं, जुर्माना भी लगाया जाता है। बार - बार गलती करने वालों का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द हो सकता है; जेल तक हो सकती है। इस सबके बावजूद लोग इतने लापरवाह क्यों होते हैं कि शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं ?

राज यह गुत्थी सुलझाने की भी कोशिश कर रहा था कि नशे में गाड़ी चलाने वालों की लड़ने - झगड़ने के पीछे क्या मानसिकता होती है। क्या वे इतना भी नहीं सोच पाते कि नशे की हालत में व्यक्ति का मस्तिष्क और शरीर के अंगों पर नियंत्रण ढीला हो जाता है ? ऐसी अवस्था में न चाहते हुए भी भयानक दुर्घटना हो सकती है। कई बच्चे अनाथ हो सकते हैं; औरतें विधवा हो सकती हैं; माँ - बाप बेसहारा हो सकते हैं; और तो और इस लापरवाही में खुद की जान भी तो जा सकती है।

आखिर में राज ने तय किया कि वह स्वयं 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के खिलाफ मुहिम छेड़ेगा।

अथवा

अपनी पाठशाला में मनाए गए 'हिंदी दिवस ' समारोह का वृत्तांत रोचक भाषा में लिखिए । (लगभग ६० से ८० शब्दों में लिखिए ।)

हिंदी दिवस समारोह

मुंबई, दि. १४ सितंबर २०१२ । आज सुबह ९.०० बजे स्थानीय नूतन विद्यालय, रायगड़ में छात्रों और अध्यापकों द्वारा 'हिंदी दिन समारोह ' मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता स्थानीय महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. द्विदेजी ने की।

कार्यक्रम की शुरुवात हिंदी गीत से हुई। विद्यालय के मुख्याध्यापकजी ने माननीय अध्यक्ष महोदय का परिचय कराया। साथ ही हिंदी विषय पर आम की उपलब्धियाँ भी बताई। हिंदी राष्ट्रीय स्तर की परिक्षाओं में उज्ज्वल यश प्राप्त करने वालो का परिचय कराया। उसके बाद अध्यक्ष महोदयजी के हाथों इन्हीं विद्यार्थियों को पुरस्कार तथा सन्मान पत्र भी दिया।

डॉ. द्विदेजी ने हिंदी भाषा के प्रति जिन बच्चों को लगाव, रुचि है उन्हें बधाँई दी तथा अन्य छात्रों से भाषा में रुचि लेने तथा शुध्द भाषा का उपयोग करने पर बल दिया। हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा कैसे और क्यों मिला इसपर भी संक्षिप्त में थोडे समय में वे सब कुछ बोल गए। कार्यक्रम में कुछ बच्चों ने अपनी कविताएँ सुनाई, जिससे कार्यक्रम और खिल उठा।

अंत में विद्यालय के हिंदी के अध्यापक 'श्री. सिंह ' जी ने माननीय अध्यक्ष महोदयजी, मुख्याध्यापक, अध्यापक - वर्ग तथा सभी का आदर सत्कार करते हुए 'हिंदी दिन समारोह ' का समापन किया।

२) दिवाली के उपलक्ष्य पर मोबाईल कंपनी की तरफ से ऑफर के संदर्भ में विज्ञापन तैयार कीजिए । **(०५)**

!! स्पेशल ऑफर !! !! स्पेशल ऑफर !! !! स्पेशल ऑफर !!

जावा मोबाईल लाए है एक डबल धमाका

ऑफर सिर्फ दिपावली के

पावन उपलक्ष्य पर

अब पाइए जावा 3G के एक मोबाईल पर दो खास धमाके

मोफत ट्रॅव्हल व्हाऊचर्स बचाइए १०, ००० /-	1 + 1 Addition Warranty

तुरंत पधारें और इस सुनहरे अवसर का लाभ उठायें।

३) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (शब्द मर्यादा ८० से १०० शब्द) **(०८)**

१) **संगणक का महत्व**

"छोड़ों कल की बातें, कल की बात पुरानी,
नये दौर में लिखेंगे हम मिलकर नई कहानी
हाथों से भी काम किया, चलाये हल कितने,
समय के हाथों बलवती हो गई नीती नई मशीनें "

सही तो है । भारत अपनी प्राचीन शताब्दी से इक्कीसवी शताब्दी के यांत्रिकी व तकनीकी युग में प्रवेश कर रहा है, जिसके साथ अनेक परिवर्तन की क्रांतियाँ आई । जिनमें एक क्रांति है - संगणक ।

संगणक को एक अमर मनुष्य कहे तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी । कुछ बटनों के "की-बोर्ड" पर नाचती उँगलियों से यह कुछ भी काम कर सकता है । मॉनिटर पर सी.पी.यू. से नियंत्रित होता संगणक हर समस्या का समाधान कुछ क्षणों में कर देता है।

आज कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहाँ संगणक का प्रयोग न होता हो क्योंकि जिस काम में घंटो का समय बरबाद होता है, वही गणित, हिसाब किताब का लेखा -जोखा एक पल में हो जाता है । आज बच्चा बोलना न जानता हो लेकिन संगणक जरुर पहचानेगा।

संगणक पर बँक का लेखा - जोखा, रेल्वे स्टेशनों पर होते आरक्षण, विद्यालयों में किया जानेवाला "ऑन लाईन एज्युकेशन", विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी एक कुर्सी पर बैठकर इन्टरनेट से पलभर में पायी जा सकती है। यह समय के साथ -साथ मन , बुद्धि व शरीर की थकान तो दूर करता है, साथ ही साथ व्यक्ति का सामान्यज्ञान, विचारक्षमता, नये नये परिणाम इसके द्वारा संभव हैं।

आज संगणक ने मनुष्य का स्थान ले रखा है, इतना ही नहीं इससे हम भारत में बैठे हुए अमेरिका के व्यक्ति से बात करते हुए उसे मॉनिटर के पर्दे पर स्पष्ट रुप से देख सकते है। इसने मनुष्य के बीच की दूरी ही कम कर दी है।

संगणक के द्वारा प्राप्त जानकारी विश्वसनीय व अटल होती है, जिसमें कभी किसी गलती की संभावना नही हो सकती है।

संगणक में हर सूचना को गुप्त रखने की और संग्रह करने की क्षमता है, जिन पुराने संग्रहो को सुरक्षित रखने के लिए ढेरों फाईलों की जरुरत पडती है, उस अपव्यय व असुरक्षतिता को संगणक ने दूर कर दिया । आज संगणक के द्वारा मनुष्य धरती पर रहते हुए अंतरिक्ष मे अनेक उपग्रह व परमाणु परिक्षण करने में समर्थ व सशक्त है।

चिकित्सा व स्वास्थ्य का क्षेत्र भी संगणक से अच्छुता नहीं है । शरीर के किसी भी रोग या बीमारी का पता संगणक के द्वारा विश्वसनीय माना जाता है।

आज एक छोटे से बच्चे से लेकर बड़े से बड़े वैज्ञानिक व एक चपरासी से लेकर बड़े से बड़े व्यापारी तक को संगणक का ज्ञान है और होना ही चाहिए । यह ज्ञान का ऐसा संच है, जो हर कार्य को नियमित कर सकता है ।

लेकिन जिसप्रकार दीपक के प्रकाश के पीछे अंधेरा होता है, उसीप्रकार कई बार इसके गैरफायदे भी उठाए जाते है। अनेक हवालाकाड़, अपराधी गतिविधियाँ, अश्लील संवाद इसीके द्वारा होते हैं। लेकिन यह तो मनुष्य की अपनी सावधानी व समझ है, ईश्वर ने उसे सोचने, समझने व नियंत्रण करने की शक्ति दी है। यदि वह मानवीय संवेदना के साथ तार्किक बुद्धि से इसका प्रयोग करेगा तो यह देश, समाज व हर व्यक्ति की प्रगति का एक वरदान सिद्ध होगा।

इस बात से कोई इन्कार नहीं कि आज हर व्यक्ति संगणक का प्रयोग आसानी से नहीं कर सकता क्योंकि यह हर साधारण व्यक्ति के बस की बात नही है । साथ ही यदि इसमें "वायरस" आ जाये तो पलभर में सब संग्रह समाप्त भी हो सकता है और इसके कारण कभी -कभी गलतियाँ होने की संभावना भी बढ़ सकती है, लेकिन इस क्षेत्र में हो रहे नित - नये तकनीकि प्रयोगों से यह समस्या भी बहुत कम समय की है।

वह दिन दूर नहीं जब भारत भी तकनीकि विकसित देशो की श्रेणी में खड़ा होगा और हम विकसित देश के नागरिक के रुप में गौरव अनुभव कर रहे होंगे ।

" मुश्किल है तेरी राहें, इतनी भी नहीं मुश्किल
कदमों पे यकीन हो तो, कैसे न मिले मंजिल! "

२) प्रदूषण एक समस्या

'प्रदूषण ' शब्द बड़ा ही प्रचलित शब्द बन गया है। आजकल जहाँ देखे वहाँ प्रदूषण है। देश की सरकार भी प्रदूषण की समस्या से अनभिज्ञ नहीं है।

प्रदूषण तीन प्रकार के होते हैं। वायु - प्रदूषण, जल - प्रदूषण और ध्वनि - प्रदूषण। सब प्रकार के प्रदूषण से मानव को बहुत परेशानी होती है। वायु जब दूषित हो जाती है तो वह वायु प्रदूषण फैलाती है। गंदगी से वायु प्रदूषित होती है। यदि हम अपने आस - पास के परिवेश को स्वच्छ रखें तो वायु प्रदूषित होने से रुक सकती है। हर तरह के प्राणियों को प्रदूषण से बहुत तकलिफ होती हैं। प्रदूषण हर तरह से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। समय - समय पर सरकारी अभियंताओं को कारखानों का निरीक्षण करना चाहिए। चिमनी की सहायता से जहरीली गैसों को ऊँचाई पर छोड़ना चाहिए। कल - कारखानों के गंदे पानी को नदियों में छोड़ने पर सख्त रोक लगानी चाहिए। इस प्रकार का काम करनेवालों को दंडित करना चाहिए। लाउड -स्पीकर बजानेवालों पर जुर्माना करना चाहिए। बड़े शहरों में गाड़ी के हॉर्न भी अनावश्यक रुप से नहीं बजाने चाहिए। प्रदूषण दूर करने का वृक्षारोपण एक उत्तम उपाय है।

पोस्टरों के माध्यम से हम जनता में जागृति पैदा कर सकते हैं। टेलीविजन द्वारा प्रदूषण संबंधी जानकारी देनेवाले कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएँ। प्रदूषण से होनेवाले दुष्परिणामों की जनता तक पहुँचाना चाहिए। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार और जनता दोनों को मिलकर कार्य करना होगा। यदि इस समस्या पर गंभीरतापूर्वक विचार न किया गया तो यह समस्या धीरे - धीरे एक विकराल रुप धारण कर लेगी।